

MBh. 7, 1269. पूर्वावधीरितं श्रेयो दुःखं हि परिवर्तते kehrt schwer zurück ÇĀK. 172. sich zurückwenden zu, sich zurückbegeben zu (acc.) MBh. 12, 896. — 4) अन्यथा sich anders wenden, einen Wandel erfahren Spr. 3499. नहि तारामतं किंचिदन्यथा परिवर्तते R. 4, 21, 15. Vikr. 132. auch ohne diesen Beisatz: (देवदेवाः) न कल्पपरिवर्तेषु परिवर्तति ते तथा MBh. 3, 15462. स चेन्नो परिवर्तते (so die ed. Bomb.) wenn er sich nicht ändert, wenn er kein anderer Mensch wird 12, 2832. — 5) verweilen, sich befinden: शतं वर्षाणि तामिमे नरके M. 4, 165. MBh. 13, 1902. fgg. स्वगृहे R. 6, 98, 10. अङ्गं तु परिवर्तती सीता R. SCHL. 2, 96, 17. व्यादितास्य यो मृत्योर्दृष्ट्ये परिवर्तते HARIV. 10286. एवमेकत्वेन परिवर्तमानः KĀPILA 1, 153. स्त्रीस्वभावात्तु मे बुद्धिः कारुण्ये परिवर्तते R. 6, 95, 32. HARIV. 11215. (act.). — 6) wahren, dauern: योगशतपरिवर्तैरन्योऽन्यकृत्यैः ÇĀK. 193, v. l. — 7) ablaufen, verlaufen, verfließen: परिवर्तं युगम् HARIV. 6479. Verz. d. Oxf. H. 54, a, No. 104, Z. 6. परिवर्तं ऽरुन्ति MBh. 3, 11347. BRAHMA-P. in LA. (III) 55, 15. 18. — 8) schwinden: किंचित्परिवर्तधैर्यं KUMĀRAS. 3, 67. परिवर्तभाग्या MĀLATĪM. 164, 10. — 9) sich benehmen, verfahren: सम्पक् R. GORR. 2, 17, 32. — 9) trans. umdrehen, umwenden: पदि MĀKĪH. 81, 18. — 10) परिवर्त्त = परिवर्त्न umringt, umgeben HĀLĪ. 4, 27. — Vgl. परिवर्त्त fgg. und परिवर्त्त fgg. — caus. 1) sich drehen lassen, in die Runde bewegen: मन्दरः परिवर्त्तताम् MBh. 1, 1143. परिघर्त्तितं n. nom. act. BHĀG. P. 5, 14, 29. भूमाविर्दं च परिवर्त्तितम् die Stelle, wo er sich auf dem Boden gewälzt hat, R. GORR. 2, 96, 3. पद्ममः पर्यवर्त्तयद्दत्तान्पृथिव्या दिवः wenn der Ghama Erde und Himmel umfuhr (also eig. रथं पर्यवर्त्तयत्) TB. 1, 5, 2. — 2) umdrehen, umwenden: रथम् MBh. 8, 4989. MĀKĪH. 108, 19. वाक्निम् MBh. 7, 9202 (auch 9201 nach der Lesart der ed. Bomb.). परिवर्त्तितवाक्न RAGH. 9, 25. सासूयमानमितः परिवर्त्तयत्या MĀLAV. 67. KĀTJ. ÇĀ. 6, 9, 17. अयूपान् GOBH. 3, 10, 9. पात्रम् KATHĀS. 61, 191. किरिटे परिवर्त्तितम् MBh. 7, 1268. umwerfen: शकटम् HARIV. 3408. 3411. verdrehen: स तां वाचं गुरोः पत्न्या विपुलः पर्यवर्त्तयत् MBh. 13, 2320. med. sich umwenden, den Kopf herumwenden TB. 2, 2, 10, 7. zu sich umwenden machen: पुत्रं सुरुक्षा परिर्वर्त्तयति so v. a. er zieht die Blicke vieler Tausende auf sich RV. 5, 37, 3. — 3) umwickeln, einwickeln: पलाशवृत्तेनास्थिनि KĀTJ. ÇĀ. 25, 8 1. — 4) umherbewegen MAITRAJUP. 6, 21. HARIV. 2187. — 5) vertauschen, umwechseln, wechseln: उभयेनस्य वै रूपं कृत्वा स्वं परिवर्त्त्य च HARIV. 4614. परिवर्त्तितवासम् KĀM. NĪTIS. 7, 45. VARĀH. BRH. S. 77, 14. KATHĀS. 110, 75. MĀK. P. 51, 13. कृतान्नं चाकृतान्नं KULL. zu M. 9, 219. ein Document gegen ein anderes vertauschen so v. a. erneuern M. 8, 154. fg. — 6) um und um drehen so v. a. zu Grunde richten, zu Nichte machen: जगत् R. GORR. 2, 20, 34. 3, 69, 27. 4, 26, 15. 5, 18, 35. प्रत्यूक्षाः परिवर्त्तिताः MĀK. P. 16, 55. भयेन परिवर्त्तितसौकुमार्या MĀKĪH. 9, 18. — 7) um und um kehren so v. a. genau durchsuchen: गुरुश्च विविधाकाराः संक्रमाः परिवर्त्तिताः R. 4, 47, 13. — 7) med. sich rundum (das Haar) schneiden TB. 1, 3, 5, 1. 3. ÇĀT. BR. 2, 6, 3, 16. fg. 4, 5. — Vgl. परिवर्त्तक fgg. — intens.: वर्त्ति चक्रं परिद्याम् dreht sich beständig RV. 1, 164, 11. — अनुपरि sich wiederholen ÇĀT. BR. 14, 9, 1, 39. — विपरि 1) sich drehen, sich im Kreise bewegen: जगत् BHĀG. 9, 10. sich wälzen: भूमौ M. 6, 22 (= MBh. 12, 8894). R. 2, 72, 26. — 2) umher-

fahren: नावं न शक्यमारुह्य स्थले विपरिवर्त्तितुम् Spr. 4439. umherwandern: दशमकार्त्तुषु विपरिवर्त्तमानेन मया WILSON, SĪMĀKĀK. S. 23. एवं हृदि सदा तस्य बुद्धिर्विपरिवर्त्तते im Herzen herumgehen R. GORR. 2, 1, 19. — 3) sich umwenden: विभावसुः प्रबलितो वामं विपरिवर्त्तते MBh. 16, 44. — 4) sich umwandeln, sich ändern: सा तु बुद्धिः कृताप्येवं पाण्डवान्प्रति मे सदा । उर्योधनं समासाद्य पुनर्विपरिवर्त्तते ॥ MBh. 5, 1563. — 5) beständig heimsuchen, mit acc.: दुःखं जनान्विपरिवर्त्तते Spr. 4964. — Vgl. विपरिवर्त्तन, ऽवृत्ति. — caus. umdrehen, hinundherführen: चक्राणि LĀTJ. 10, 5, 13. umwenden, abwenden: विपरिवर्त्तिताधर RAGH. 19, 27. सव्यापतं कृत्वा वेषं विपरिवर्त्त्य च umdrehend, umwendend MBh. 4, 809. — संपरि 1) sich drehen: चक्रम् JĀK. 3, 124. MBh. 1, 40. sich drehen um (acc.) 13, 1091. sich wälzen 7, 8146. rollen vom Auge MĀK. P. 43, 30 = Verz. d. Oxf. H. 51, 6, 32. हृदि im Herzen herumgehen: कार्यं मे काङ्क्षितं किंचिद्दृष्टिं संपरिवर्त्तते MBh. 1, 5216. 5687. 3, 1436. 13, 127. 2233. HARIV. 10057. R. 2, 1, 24. अद्यापि तन्मनसि संपरिवर्त्तते मे KĀURĀP. 11. — 2) umkehren, heimkehren R. GORR. 2, 93, 12. — 3) sich frei machen von (abl.) BHĀG. P. 5, 5, 9. — 4) संपरिवर्त्तनाभि सुच. 1, 277, 1 wohl fehlerhaft für संपरिवर्त्त. — caus. herumführen: रथादिमुच्य श्रान्तान्कृपानसंपरिवर्त्त्य शीघ्रम् । पीतोदकास्तोपपरिभ्रुताङ्गान्चारयद्दे तमसाविहरम् ॥ R. 2, 43, 33.

— प्र 1) in eine rollende Bewegung gerathen, in Gang kommen: स्वामिसेवकयोरेवं वृत्तिचक्रं प्रवर्त्तते Spr. 212. प्रवृत्तो ऽश्नतरीरथः so v. a. ist vorgefahren KHĀND. UP. 5, 13, 2. in Umlauf kommen, sich verbreiten: ततः प्रभृति एतत्पञ्चतन्त्रकं नाम नीतिशास्त्रं बालावबोधनार्थं भूतले प्रवृत्तम् PĀNĪKĀT. 5, 13 (ed. OFR. 2, 18). यः प्रवृत्तो श्रुतिं हृषयति MBh. 13, 1683. — 2) aufbrechen, sich auf den Weg machen, sich begeben: प्रावृत्तदृक्त्वात् BHĀTJ. 15, 7. इतः प्रवृत्तैव MĀLATĪM. 91, 11. R. 5, 27, 21. देवालयं स्त्री प्रयता प्रवृत्ता VARĀH. BRH. 27 (25), 8. लोकान्समाकर्त्तुमिह प्रवृत्तः BHĀG. 11, 32. यो मत्पापप्रुद्धयर्थमिह प्रवृत्तः Spr. 5340. वने प्रवृत्तामिव नीलकण्ठीम् R. 5, 11, 23. दक्षिणो प्रवृत्ता वाताः MEGH. 106. तावत्प्रावर्त्ततां तस्य चक्षुषी so lange richteten sich seine Augen dahin R. GORR. 2, 41, 3. — 3) वर्त्तनि, वर्त्तना, पथा auf einem Wege sich fortbewegen, auf dem Wege (eig. und übertr.) bleiben R. 2, 59, 5. DAÇĀK. 69, 2. KATHĀS. 41, 57. अयथेन प्रवृत्ते न ज्ञातु RAGH. 17, 54. — 4) hervorkommen, heraustreten, auftreten, hervorbrechen, hervorgehen, entstehen, entspringen, zu Stande kommen, erfolgen, eintreten, geschehen: तासामश्रद्धया प्रुद्धाणि प्रावर्त्तत । ता एतास्तूपराः es entstanden ihnen nicht eigentlich Hörner (nur Erhöhungen) AIR. BR. 4, 17. VS. 28, 19. आपः GOBH. 4, 7, 2. त्वं हि त्रिपथगा देवी ब्रह्मलोकात्प्रवर्त्तसे R. GORR. 2, 32, 20. ततः प्रवृत्ता सरयूः 4, 44, 52. कृत्वीर्गिर्गत्रैरथैः प्रावर्त्तत मरुतदी HARIV. 13814. तस्यास्यात्तु प्रवृत्तेन रुधिराधेन R. 4, 9, 19. तस्य दृग्भ्यामवारितम् । अथं प्रवृत्ते KATHĀS. 13, 126. स्त्रीणां पुष्पम् MĀK. P. 51, 42. अर्थेभ्यो हि — प्रवर्त्तते क्रियाः सर्वाः पर्वतेभ्य इवापगाः Spr. 227. प्रवृत्ता वाणी मे मुखात् 4390. प्रवर्त्तते ऽन्यथा वाणी शाद्योपकृतचेतसः 127. पावत्सर्वज्ञानानन्ददायिनी वाक्प्रवर्त्तते so v. a. ertönt 4123. प्रवृत्तवाच् 4589. MĀK. P. 72, 27. तयोः संवदतोः नूनं प्रवृत्ता क्षमलाः कथाः BHĀG. P. 3, 20, 5. प्रवृत्तो मे श्लोकः R. 1, 2, 21. 34. तस्त्रीस्वनाः कर्णामुखाः प्रवृत्ताः 5, 11, 9. प्रवृत्तास्त्रते ते ऽग्रयः 4, 44, 50. प्रवर्त्तमानं च न दृश्यते रजः aufsteigend, sich erhebend ÇĀK. 169. रिपुः KĀM.